the market rates for hiring photographers and processing of a large number of prints with speed and urgency, Photo Division is functioning at a cheaper rate. Besides, there are limitations of time and speed in processing large number of prints outside as also the inaccessability of private photographers to important official functions/events etc. Small and medium newspapers who cannot always afford independent photographers also find Photo Division a useful source of photographs for their newspapers. The cost factor alone cannot be a consideration for maintaining the establishment of Photo Division.

दूरदर्शन के विचाराधीन धारावाहिक

6090. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान में ऐसे दूरदर्शन धारावाहिकों की संख्या कितनी है, जिनके प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन हैं और जो निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं ;

(ख) उन धारावाहिकों की भाषा-वार संख्या कितनी-कितनी है ;

(ग) क्या इस संबंध में कोई जांच समिति गठित की गई है ; और

(घ) यदि हां, तो समिति के सदस्यों के नाम क्या क्या हैं तथा उनका जीवन-वत्त क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) और (ख) ऐसी सूचना संकलित रूप में केन्द्रीय तौर पर नहीं रखी जाती है ।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

देश में समाचारपत्रों की प्रसार संख्या

6091. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान में देश में दैनिक समाचारपत्रों की कुल प्रसार संख्या कितनी है ;

(ख) तत्संबंधी भाषा-वार आंकड़े क्या हैं और प्रत्येक दैनिक समाचारपत्र की भाषा-वार प्रसार संख्या कितनी-कितनी है ;

(ग) क्या सरकार इन दैनिक समाचारपत्रों में विज्ञापन देते समय इनकी प्रसार संख्या को भी ध्यान में रखती है;

(घ) क्या भारतीय भाषाओं के समाचारपत्रों को कोई विशेष छूट दी जाती है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) और (ख) वर्तमान में देश में भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय (आर० एन० आई०) के पास सभी दैनिक समाचार पत्रों के कुल प्रसार आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि वे केवल अपने पास पंजीकृत समाचार पत्रों और उन समाचार पत्रों को जो प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 की शर्तों के अनुसार भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक को अपना वार्षिक विवरण प्रस्तुत करते हैं, के संबंध में सूचना रखते हैं । वर्ष 1994 के लिए समाचार पत्रों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक विवरण संवीक्षाधीन हैं । भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्रसार आंकड़ों आदि का संकलन कार्य 30-9-95 तक पूरा कर लिया जायेगा जिस तारीख तक उनके द्वारा अपनी वार्षिक रिपोर्ट "प्रेस इन इंडिया" सरकार को प्रस्तुत की जानी अपेक्षित है ।

(ग) जी, हां ।

(घ) और (ङ) विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय की सूची में नाम शामिल करने के लिए 2000 प्रतियां प्रति संस्करण के न्यूनतम प्रसार मानदण्ड को निम्नलिखित मामलों में 500 प्रतियां प्रति संस्करण की छूट दी गई है ।

(1) विशेषीकृत वैज्ञानिक और तकनीकी पत्रिकाएं ।

(2) संस्कृत समाचार पत्र/पत्रिकाओं और समाचार पत्रों/पिछड़े, सीमावर्ती और सुदूरवर्ती क्षेत्रों या जनजातीय भाषाओं में अथवा मुख्य रूप से जनजातीय पाठकों के लिए प्रकाशित पत्रिकाएं तथा वे पत्रिकाएं जो जम्मू एवं कश्मीर से प्रकाशित होते हैं ।

Review of training syllabus for media Persons

6092. SHRI RAM RATAN RAM: Wil the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) Whether the syllabi pertaining to the training of the personnel of the various media units has been actually reviewed;

(b) if so, when; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) Yes Sir.

(b) During the period from 17th March, 1994 to 31st March, 1995.

(c) Does not arise.

Advertisement on Television

6093. SHRI RAM NATH KOVIND: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether the advertisements relayed in between the programme create confusion and delink its continuity to the viewers; and

(b) if so, the reasons for not prefixing and suffixing these advertisements to a programme telecast on T.V.?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO):(a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Telecast of Chitrahar

6094. SHRI RAM NATH KOVIND: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that telecasting method of Chitrahar on Wednesdays by Delhi Doordarshan has altogether been changed recently, if so, the reasons therefor;

(b) whether it is also a fact that the new relay method is not liked by the masses; and

(c) if so, by when the old method of relay of Chitrahar is likely to be restored ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO):(a) Yes, Sir. The production and marketing rights of the programme were assigned to a private producer by Doordarshan with a view to earning enhanced revenue besides giving it a new look.

(b) No, Sir. The programme continues to enjoy high viewership.

(c) There is no such proposal.

Advertisements of the UPSC

6095. SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state